

पथेरा पुं. (देश.) 1. कुम्हार 2. ईंट पाथने वाला 3. कंडे पाथने वाला।

पथौड़ा पुं. (देश.) दे. पथौरा।

पथौरा पुं. (देश.) 1. ऐसा स्थान जहाँ उपले पाथे जाते हैं, गोबर पाथने का स्थान, गोइठा लगाने की जगह 2. पृथ्वीराज चौहान का एक नाम।

पथ्य पुं. (तत्.) 1. ऐसा आहार जो रोगी के लिए उपयोगी या हितकर हो, उचित आहार, गुणकारी आहार 2. सुपाच्य भोजन जो कि हल्का और शीघ्र पचने वाला हो, रोगी के लिए लाभदायक हो 3. पथ संबंधी, पथ का 4. सेंधा नमक 5. छोटी हरें 6. कल्याण, मंगल, अनुकूल।

पथ्यका स्त्री. (तत्.) मेथी।

पथ्या स्त्री. (तत्.) 1. सड़क, रास्ता, राह 2. हड या हर, हरीतकी 3. एक मात्रिक छंद 4. बन ककोड़ा 5. सैंधनी 6. चिरमिटा 7. गंगा।

पथ्यापथ्य पुं. (तत्.) 1. पथ्य और अपथ्य, रोगी के लिए हितकर तथा हानिकर 2. रोगी के लिए हितकर और हानिकर भोजन या वस्तु।

पथ्याशन पुं. (तत्.) पाथेय, संबल।

पथ्याशी पुं. (तत्.) पथ्य आहार या सुपाच्य भोजन खाने वाला।

पद पुं. (तत्.) 1. काम, व्यवसाय 2. पैर, डग, कदम, पैर का निशान, चरण-चिह्न 3. त्राण, रक्षा 4. योग्यता के अनुसार नियत स्थान, दर्जा 5. वस्तु, चीज, पदार्थ 6. शब्द 7. प्रदेश 8. श्लोक या किसी छंद का चतुर्थांश 9. उपाधि 10. मोक्ष, निर्माण 11. भक्तिगीत, भजन 12. पुराणों के अनुसार ब्राह्मणों को दान में दिए गए पदार्थ यथा- जूते, छाता, कपड़े, अंगूरी, कमंडलु, आसन, बरतन तथा भोजन आदि 13. बिसात का कोठा अथवा खाना 14. किरण 15. लंबाई की माप 16. सिक्का।

पदक पुं. (तत्.) 1. किसी व्यक्ति को कोई विशिष्ट या उत्कृष्ट कार्य करने के उपलक्ष्य में दिया जाने वाला सोने-चाँदी या अन्य धातु का बना प्रतीक-चिह्न, मेडल, तमगा 2. धातु से बना एक

छोटा गहना जिस पर किसी देवता के पद-चिह्न अंकित हो। इसे गले में आभूषण की भांति पहना भी जाता है 3. देवता का चरण-चिह्न जो पूजा के लिए बनाया जाता है medal

पदकमल पुं. (तत्.) कमल के समान सुंदर चरण, कमल रूपी चरण, पद-कंज, चरण कमल उदा. "चरण-कमल बंदों हरिराई"।

पदक्रम पुं. (तत्.) 1. पद या ओहदे की क्रमिक स्थिति या श्रेणी 2. समान ओहदे के कर्मचारियों का वर्ग, संवर्ग 3. गमन डग भरना, चलना 4. वेदमंत्रों के पदों को एक दूसरे से अलग-अलग करने का कार्य व्या. गद्य के वाक्यों में आए पदों को उचित स्थान पर रखना, वाक्य-विन्यास, शब्दों या पदों की वाक्य में स्थिति।

पदग पुं. (तत्.) 1. पैदल चलने वाला 2. प्यादा।

पदगत वि. (तत्.) पद का, पद-विषयक, पद संबंधी।

पदगत दोष पुं. (तत्.) काव्य. काव्य में होने वाले शब्द-दोषों का एक प्रकार टि. प्रमुख पदगत दोष सोलह माने गए हैं श्रुति कटु, च्युत संस्कार, अप्रयुक्त, असमर्थ, निहितार्थ, अनुचितार्थ, निरर्थक, अवाचक, अश्लील, ग्राम्य, नेयार्थ, क्लिष्ट, संदिग्ध, अप्रतीति, अविमृष्ट विधेयांश, विरुद्ध मतिक्रम।

पदग्रहण पुं. (तत्.) किसी नियुक्ति के प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद उस पद विशेष पर आसीन होने का औपचारिक कार्य।

पदग्रहण अवधि स्त्री. (तत्.) पदग्रहण अर्थात् कार्यभार ग्रहण करने के लिए कर्मचारी को दिया गया निश्चित समय, कार्य-ग्रहण अवधि।

पदचर वि. (तत्.) पैरों से चलने वाला, पैदल, पैदल चलने वाला पुं. पदाति, पैदल सैनिक।

पदचारी वि. (तत्.) पैदल चलने वाला पुं. पैदल सैनिक।

पदचिह्न पुं. (तत्.) 1. चलने के समय जमीन या मिट्टी पर बनने वाले पैरों के निशान 2. बड़ों या अग्रसरों द्वारा किए गए अथवा बताए गए आदर्श कार्य जो अगली पीढ़ी के लिए अनुकरणीय होते